DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2025-26
MONDAY TEST

CLASS: IX **FULL MARKS: 40**
SUBJECT: HINDI **DATE:16.06.25**

General Instructions

- **The paper consists of four printed pages.**
- **Answers should be to the point.**
- **Question numbers should be copied carefully while answering the question.**

SECTION A (20 MARKS)

Attempt all questions.

Question -1

Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखें : [2x5=10]

राणा संग्राम सिंह वीरगति प्राप्त कर चुके थे। चित्तौड़गढ़ के सिंहासन पर उनके बड़े पुत्र विक्रमादित्य बैठे, किन्तु उनकी अयोग्यता के कारण राजपूत सरदारों ने उन्हें गद्दी से हटा दिया| राणा सांगा के छोटे पुत्र उदयसिंह राज्य के उत्तराधिकारी घोषित किए गए , किंतु वे अभी छह वर्ष के बालक थे| अतएव दासी-पुत्र बनवीर को उनके संरक्षक और उनकी ओर से राज्य का संचालनकर्ता बनाया गया क्योंकि महारानी करुणावती का भी स्वर्गवास हो चुका था| राज्य का लोभ मनुष्य को मनुष्य नहीं रहने देता| बनवीर भी राज्य के लोभ से पिशाच बन गया| उसने सोचा कि यदि राणा सांगा के दोनों पुत्र को मार दिया जाए, तो चित्तौड़गढ़ का सिंहासन उसके लिए निष्कंटक हो जाएगा| इसी विचार से एक रात नंगी तलवार लिए वह अपने भवन से निकला| उसने लालच में अंधे होकर विक्रमादित्य की हत्या कर दी|

राजकुमार उदय सिंह सायं काल का भोजन करके सो चुके थे| उनका पालन पोषण करने वाली पन्नाधाय को बनवीर के बुरे अभिप्राय का कुछ पता नहीं था| रात में जूठे पत्तल हटाने बारिन आई, उसने पन्ना को बनवीर द्वारा विक्रमादित्य की हत्या का समाचार दिया| बारिन उस समय वहीं खड़ी थी और बनवीर का यह कुकृत्य देखकर किसी प्रकार भागी हुई पन्ना के पास आई थी| उसने कहा- 'वह यहाँ आता ही होगा|'
पन्ना चौंकी और उसे अपना कर्तव्य स्थिर करने में क्षण भर भी नहीं लगा| उसने बालक उदय सिंह को उठाकर बारिन को दे दिया और कहा," इन्हें लेकर चुपचाप निकल जाओ| मैं तुम्हें वीरा नदी के तट पर मिलूँगी।"
उदय सिंह सो रहे थे। उन्हें टोकरे में लिटाकर, ऊपर से पत्तलें ढककर बारिन राजभवन से निकल गई| इधर पन्ना ने अपने पुत्र चन्दन को कपड़ा ओढ़ाकर उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया| दोनों बालक लगभग एक ही अवस्था के थे| अपने स्वामी के बालक और राज्य के उत्तराधिकारी की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठ धाय ने अपने कलेजे के टुकड़े का बलिदान करने का निश्चय कर लिया था|
नंगी,रक्त से सनी तलवार लिए बनवीर कुछ क्षणों के बाद ही आ धमका| उसने कड़क कर पूछा, "उदय कहाँ है?"

पन्ना धाय ने उंगली से अपने सोते पुत्र की ओर संकेत कर दिया| तलवार उठी और उस अबोध बालक का सिर धड़ से अलग हो गया| कर्तव्यनिष्ठ पन्ना धाय के मुख से न चीख निकली, न नेत्रों से आँसू गिरे| उसे तो अभी अपना धर्म निभाना था| उसका हृदय फटा जाता था| पुत्र का शव लेकर वह राजभवन से निकली|

वीरा नदी के तट पर उसने पुत्र का अंतिम संस्कार किया और मेवाड़ के नन्हे निद्रित अधिश्वर को लेकर रात्रि में ही मेवाड़ से बाहर निकल गई| बेचारी धाय! कोई उसे आश्रय देकर बनवीर से शत्रुता मोल लेना नहीं चाहता था| अत: वह एक से दूसरे ठिकानों में भटकती फिरी| अंत में देयरा के आशाशाह ने उसे आश्रय दिया|

बनवीर को उसके कर्म का दंड मिलना था, मिला| राणा उदयसिंह जब गद्दी पर बैठे. पन्नाधय की चरणधूलि अपने मस्तक पर लगाकर उन्होंने अपने को धन्य माना| पन्ना चित्तौड़ की सच्ची धात्री सिद्ध हुई और सेवक धर्म के आदर्श का पाठ दुनिया को सिखा गई | पन्ना धाय की उज्ज्वल कीर्ति अमर है|

i) बनवीर कौन था? लोभ में पड़कर उसने क्या सोचा ?
ii) पन्ना धाय को बनवीर के बुरे अभिप्राय का कब व किस प्रकार पता चला ?
iii) पन्ना धाय ने क्या निर्णय लिया और क्यों ?
iv) पन्ना धाय वीरा नदी के तट पर क्यों पहुँची ? उसे अनेक ठिकानों पर क्यों भटकना पड़ा?
v) इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिली ?

Question – 2
Answer the followings according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : [1x10 = 10]

i) 'हवा से बातें करना ' मुहावरे का अर्थ है-
a) सुनाई न देना
b) बेकार की सोचना
c) किसी की बात पर जल्दी विश्वास कर लेना
d) बहुत तेज़ भागना

ii) 'उन्नति' का पर्यायवाची शब्द होगा
a) उत्कर्ष , असत्य
b) तरक्की , वृद्धि
c) तरक्की , असत्य
d) सत्य , वृद्धि

iii) 'चाय' शब्द का विशेषण होगा –
a) चयास
b) चायवाला
c) चायपूर्ण
d) चायपत्ती

iv) 'चतुर' की भाववाचक संज्ञा होगी –
a) चातुरी
b) चाटुकारी
c) चतुराई
d) चातुर्यता

v) 'सत्य' का विलोम शब्द –
a) असत्य
b) झूठ
c) असत्यता
d) झूठा

vi) शुद्ध शब्द का चयन कीजिए –

a) दृष्य
b) दृश्य
c) दृस्य
d) द्रिस्या

vii) 'मैं घर जा रही हूँ|'- वाक्य का भविष्यकाल क्या होगा ?

a) हम कल घर गए थे|
b) मैं घर जाऊँगी|
c) मैं कल घर जाऊँगी|
d) मुझे घर जाना है|

viii) कमल <u>ईश्वर में विश्वास नहीं रखता</u> है। (रेखांकित शब्दों के आधार पर सही वाक्य होगा?)

a) कमल आस्तिक है|
b) कमल नास्तिक है|
c) कमल आस्तिक नहीं होगा|
d) कमल नास्तिक था|

ix) देश अंग्रेज़ों के अधीन नहीं था । ('नही' हटाकर वाक्य लिखें पर अर्थ न बदले)

a) देश स्वाधीन था|
b) देश अंग्रेजों के पराधीन था|
c) देश पराधीन था|
d) देश अंग्रेजों के अधीन था|

x) लड़की पढ़ाई कर रही है| (वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखें।)

a) लड़कियों पढ़ रही है|
b) लड़कियाँ पढ़ैया कर रही हैं|
c) लड़की सबके साथ पढ़ रही है|
d) लड़कियाँ पढ़ाई कर रही हैं |

<u>SECTION B (20 MARKS)</u>

Attempt all questions.

Question — 3

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पाहन पूजे हरि मिले , तो मैं पूजूँ पहार |
ताते ये चाकी भली , पीस खाय संसार ||
सब धरती कागद करौ, लेखनी सब बनराय |
सात समंद की मसि करौ, गुरु गुन लिखा न जाय ||

[साखी — कबीरदास]

i) पाहन और पहार का अर्थ लिखते हुए बताइए कि इनका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया ? [2]

ii) 'गुरु गुण' लिखना क्यों असंभव है ? [2]

iii) 'गुरु गुण' लिखने के लिए किन-किन का उदाहरण दिया गया है ? [3]

iv) अर्थ लिखें – चाकी , संसार , हरि , गुन , भली , ताते | [3]

Question – 4

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि |
प्रेम गली अति साँकरी,तामे दो न समाहि ||
गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ,काके लागू पायं |
बलिहारी गुरु आपनो,जिन गोविन्द दियौ बताय || [साखी— कबीरदास]

i) कबीरदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए| [2]

ii) 'मैं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए और मैं के साथ कौन नहीं रह सकता? [2]

iii) गुरु और गोविन्द में कौन श्रेष्ठ है और क्यों? [3]

iv) 'प्रेम गली' से क्या तात्पर्य है और वह कैसी होती है? [3]